राजनीति - सिद्धान्त का महत्व
(Significance of Political theory)

आज के युग में राजनीति - सिद्धान्त (Political theory) शब्दावली का प्रयोग विस्तृत अर्थ में होता है। एक ओर इसके अंतर्गत यह पता लगाया जाता है कि कोई भी सरकार या शासन - व्यवस्था (Government) किस तरह कार्य करती है। अर्थात् इसमें राजनीतिक संस्थाओं की रचना और इनसे जुड़े लोगों के व्यवहार की छान - बीन की जाती है।

सिद्धांत को वैज्ञानिक आधार पर स्थापित करने के लिए इसे चिरसम्मत ग्रंथों और राजनीतिक विचारों के इतिहास की परंपरा से मुक्त कराना जरूरी है।

इस्टन ने लिखा कि परंपरागत राजनीति सिद्धान्त अटकल - पच्चू की देन है। जो बीते युगों के इतिहास की विशेषता रही है।

ईस्टन ने यह भी लिखा कि मार्क्स और जॉन स्टुअर्ट मिल के बाद कोई महान दार्शनिक पैदा नहीं हुआ।

सहसंबंध (correlation)

किन्हीं दो तत्वों के बीच ऐसा संबंध कि एक में कोई परिवर्तन होने पर दूसरे में भी निश्चित परिवर्तन आ जाता है, और इन परिवर्तन निकाले जा सकते हैं। राजनीतिक विज्ञान की सार्थकता को सब जगह स्वीकार किया जाता है।

दूसरी ओर राजनीति - दर्शन के अंतर्गत हम युग - युगांतर से प्रचलित विचारों की जानकारी प्राप्त करते हैं। साधारणतः इनमें मानव - जीवन के उद्देश्य और उनकी विधियों का निर्देश मिलते हैं